



भारत का राजपत्र The Gazette of India

असाधारण
EXTRAORDINARY

भाग II—खण्ड 3—उप-खण्ड (i)
PART II—Section 3—Sub-section (i)

प्राधिकार से प्रकाशित
PUBLISHED BY AUTHORITY

सं. 239] नई दिल्ली, मंगलवार, जुलाई 2, 1991/आषाढ़ 11, 1913
No. 239] NEW DELHI, TUESDAY, JULY 2, 1991/ASADHA 11, 1913

इस भाग में भिन्न पृष्ठ संख्या दी जाती है जिससे कि यह अलग संकलन के रूप में
रखा जा सके

Separate Paging is given to this Part in order that it may be filed as a
separate compilation

चित्त मंत्रालय

(राजस्व विभाग)

प्रधिसूचना

नई दिल्ली, 2 जुलाई, 1991

सं. 19/91—केन्द्रीय उत्पाद-शुल्क (एनटी)

सा. का. नि. 325 (प्र) :—केन्द्रीय सरकार का यह समाधान हो गया है कि ऐसी प्रथा के अनु-
सार जो केन्द्रीय उत्पाद-शुल्क और नमक अधिनियम, 1944 (1944 का 1) के अधीन केन्द्रीय उत्पाद-
शुल्क के उद्ग्रहण की बाबत (जिसके अन्तर्गत उसका उद्ग्रहण न किया जाना है) साधारणतया प्रचलित

थी, उक्त अधिनियम की पहली अनुसूची के गद 19 के उपमद 1(क) के अन्तर्गत आने वाली निम्न-लिखित से भिन्न :—

- (क) सूती फैब्रिक जिसमें असेनूलोसी मूल का फाइबर या यार्न या दोनों भार के आधार पर छठे भाग से अधिक हैं, और
- (ख) काँटिंग, सूटिंग, ठसर, कार्डराथ, गैबरडीन, बैड फॉर्ड, साटन, ड्रेमि, लपेट बूटा फैब्रिक, गोल् पंदा मच्छर जाली, लैंग, बुनी हुई फैब्रिक, टैपेस्ट्री, फर्निशिंग फैब्रिक, जिसमें जैकार्ड पर्व कपड़ा है, गाबलापाछ, मेट्रेस फैब्रिक, टेरी तौलिया, जिसमें टर्किश तौलिया है, टेरी तौलिया कपड़ा, जिसमें टर्किश तौलिया कपड़ा है, कम्बल, कैनवास, डक फिल्टर क्लाथ, ट्रैसिंग क्लाथ और वकरम क्लाथ।

और केन्द्रीय उत्पाद-शुल्क नियम, 96क में विनिर्दिष्ट वर्णन पर उक्त के कारणाने से परन्तु उसमें विनिर्दिष्ट प्रक्रिया के अनुसार विनिर्मित नहीं, अप्रसंस्कृत सूती फैब्रिक पर उक्त नियमों के नियम 96अ में विनिर्दिष्ट दर से उदग्रहीत नहीं किया गया था। अतः, 15 जुलाई, 1977 को प्रारंभ होने वाली और 16 मार्च, 1986 को समाप्त हूँ वाली अवधि के दौरान भारत सरकार के वित्त मंत्रालय, राजस्व विभाग की अधिसूचना सं. 230/77—केन्द्रीय उत्पाद-शुल्क, तारीख 15 जुलाई, 1977 के साथ पठित उक्त अधिनियम की धारा 3 के अधीन उदग्रहीत नहीं किया गया था।

और उक्त सूती फैब्रिक पर पूर्वोक्त अवधि के दौरान विशेष उत्पाद-शुल्क भी ऐसे शुल्क के उदग्रहण से संबंधित सुसंगत विधि के अधीन उदग्रहीत नहीं किया गया था।

अतः, अब केन्द्रीय सरकार, उक्त अधिनियम की धारा 11ग द्वारा प्रवृत्त शक्तियों का प्रयोग करने हुए, यह निदेश देती है कि ऐसी सूती फैब्रिक पर उक्त अधिनियम के अन्तर्गत या यथास्थिति, उक्त विधि के अधीन, संदेय गंतुग उत्पाद-शुल्क या विशेष उत्पाद-शुल्क, यदि उक्त प्रथा न होती, उक्त उत्पाद-शुल्क और विशेष उत्पाद-शुल्क ऐसी सूती फैब्रिक की बाबत संरत किया जाना अवशित नहीं होगा जिस पर उक्त प्रथा के अनुसार पूर्वोक्त अवधि के दौरान उक्त उत्पाद-शुल्क उदग्रहीत नहीं किया गया था।

[फा. सं. 53/6/85-सी एक्स-I]

ए. एन. जर्मा, सचिव

MINISTRY OF FINANCE

(Department of Revenue)

NOTIFICATION

New Delhi, the 2nd July, 1991

[No. 19/91—CENTRAL EXCISES(N.T.)]

G.S.R. 325(E).—Whereas the Central Government is satisfied that according to a practice that was generally prevalent regarding levy of duty of excise (including non-levy thereof) under the Central Excises and Salt Act, 1944 (1 of 1944), the duty of excise on unprocessed

cotton fabrics falling under the sub-item 1(a) of Item 19 of the First Schedule to the said Act, other than--

- (a) cotton fabrics containing more than one-sixth by weight of fibre or yarn or both, of non-cellulosic origin; and
- (b) coating, suiting, tussors, corduroy, Gabardine, bed-ford, satin, denim, lappet butta fabrics, round mesh mosquito netting, lace, knitted fabric, tapestry, furnishing fabric including jacquard curtain cloth, gadlapet mattress fabric, terry towel including turkish towel, terry towelling cloth including turkish towelling cloth, blanket, canvas, duck, filter cloth, tracing cloth and buckram cloth,

And manufactured in a factory of the description specified in rule 96 I of the Central Excise Rules, 1944, but not in accordance with the procedure specified therein, was not being levied at the rates specified under rule 96J of the said rules and therefore not being levied under Section 3 of the said Act, read with the notification of the Government of India in the Ministry of Finance, Department of Revenue No. 230/77-Central Excises, dated the 15th July, 1977, during the period commencing on the 15th day of July, 1977 and ending with the 16th day of March, 1985;

And whereas the Special Duty of Excise on such cotton fabrics was also not being levied under the relevant law relating to the levy of such duty during the period aforesaid;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by Section 11C of the said Act, the Central Government hereby directs that the whole of the duty of excise and the special duty of excise payable under the said Act, or as the case may be, under the said law on such cotton fabrics, but for the said practice, shall not be required to be paid in respect of such cotton fabrics, on which the said duty of excise and the special duty of excise were not levied during the period aforesaid, in accordance with the said practice.

[F.No. 55/6/85-CS.1]

A.N. SHARMA, Under Secy.

